

मासिक धर्म, स्वास्थ्य और सशक्तीकरण पर मंथन

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

एक्सआईएसएस रांची और इंडियन एसोसिएशन फॉर वीमेन स्टडीज के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। विषय था : मासिक धर्म, स्वास्थ्य और महिला सशक्तीकरण। निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने कहा कि महिलाओं की उपलब्धियों और गुणों को पहचान करना जरूरी है, पुरुषों को महिलाओं की सहनशीलता की गहरी समझ रखना जरूरी है।

इससे कार्य क्षेत्र में लैंगिक समानता संभव होगा, उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति सहयोगात्मक विचार रखने पर शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, आर्थिक स्थिरता और समग्र सामाजिक कल्याण में सकारात्मक बदलाव संभव है। कार्यक्रम के दौरान ऑस्कर पुरस्कार विजेता डाक्यूमेंट्री पीरियड, एंड ऑफ सेंटेंस की स्क्रीनिंग हुई। मौके पर डॉ ममता कुमारी, डॉ अमर तिग्गा, डॉ अनंत कुमार, डॉ राजश्री वर्मा मौजूद थे।

सीयूजे में सेल्फ डिफेंस कार्यक्रम
केंद्रीय विवि, झारखंड एनएसएस के तत्वावधान में महिला दिवस मनाया गया। चेरी-मनातु परिसर में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं और छात्राओं को सेल्फ डिफेंस की जानकारी दी गयी। मौके पर प्राध्यापक महिमा, डॉ रत्नेश विष्वक्सेन, डॉ रवि रंजन कुमार, डॉ रत्नेश कुमार मिश्रा, नैलन, आयशा, संध्या, नेहा आदि मौजूद थे।



एक्सआईएसएस रांची और इंडियन एसोसिएशन फॉर वीमेन स्टडीज के कार्यक्रम में शामिल अतिथि और विद्यार्थी।

सीसीएल सीएमडी का महिलाओं को समान अवसर देने पर जोर



रांची. सीसीएल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। वीमेन इन पब्लिक सेक्टर कंपनी के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में सीएमडी डॉ बी वीरा रेड्डी ने महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने के महत्व पर भी जोर दिया। सिस्टर निर्मला ने कहा कि महिलाओं को आध्यात्मिक होना चाहिए, बाहर की खूबसूरती से ज्यादा अंदर की खूबसूरती पर

ध्यान देना चाहिए। जस्टिस रंजना अस्थाना ने कहा कि आज के परिवेश में महिलाएं सभी क्षेत्रों में पुरुषों के साथ मिलकर काम कर रही हैं। आइआईसीएम की इडी कामाक्षी रमन ने कहा कि महिलाओं को हर समय अपने ऊपर विश्वास रखना चाहिए। स्वागत विभागाध्यक्षा (कल्याण) रेखा पांडेय और धन्यवाद ज्ञापन कविता गुप्ता किया।

आइआईएम रांची में मना महिला दिवस

रांची. आइआईएम रांची में शुक्रवार को महिला दिवस मना। संचालन इंटरनल कंफ्लायंट्स और जेंडर सेंसेटाइजेशन कमेटी के सहयोग से हुआ। मुख्य अतिथि डॉ मनीषा उरांव और मालविका शर्मा थीं। इस अवसर पर वक्ताओं ने उद्यमिता के क्षेत्र में महिलाओं के बढ़ते कदम की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिला उद्यमियों के सहयोग से सकारात्मक सामाजिक बदलाव देखे जा रहे हैं। इससे शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण विकास संभव हो रहा है। वक्ताओं ने उद्यमिता के क्षेत्र में महिलाओं की सहभागिता और करियर विकल्प पर चर्चा की। इस अवसर पर आइसीसी सदस्य डॉ शिल्पी दास गुप्ता और डॉ प्रीति राय समेत अन्य मौजूद थे।

PRESS : PRABHAT KHABAR

एक्सआईएसएस में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) रांची और इंडियन एसोसिएशन फॉर वुमेन स्टडीज (आईएडब्ल्यूएस) के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन फादर माइकल वान डेन बोगार्ट एसजे मेमोरियल ऑडिटोरियम में शुक्रवार को किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मासिक धर्म स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण पर एक व्यावहारिक विचार के साथ हुई। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण की भावना को प्रेरित करती ऑस्कर पुरस्कार विजेता डाक्यूमेंट्री 'पीरियड. एंड ऑफ सेंटेंस' की स्क्रीनिंग हुई, जो ग्रामीण भारत में मासिक धर्म के जुड़े सोच और इससे सम्बंधित स्वच्छता जागरूकता के परिवर्तनकारी प्रभाव पर



प्रकाश डालती है। कार्यक्रम के शुरुआत में एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने लैंगिक समानता और सामाजिक समावेशन के महत्व पर जोर देते हुए अपना संबोधन दिया। उन्होंने कहा, महिलाओं की उपलब्धियों और गुणों को पहचानना और उनका जश्न मनाना महत्वपूर्ण है, लेकिन हमें महिलाओं के सहनशीलता की भी

गहरी समझ होनी चाहिए और हम सभी को अपने कार्यों के माध्यम से लैंगिक समानता का समर्थन करना चाहिए। डाक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग के बाद, आईएडब्ल्यूएस की डॉ ममता कुमारी द्वारा आयोजित एक सत्र में रूरल मैनेजमेंट के छात्र शामिल हुए जिसमें उन्होंने डाक्यूमेंट्री में उठाए गए मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए। इसी बीच सभी छात्रों के लिए

श्मासिक धर्म की वर्जनाओं को तोड़ना विषय पर एक स्लोगन लिखो प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में संस्थान के एक्सआईएसएस के डीन एकेडमिक्स, डॉ अमर तिग्गा, रूरल मैनेजमेंट कार्यक्रम के प्रमुख, डॉ अनंत कुमार, संस्थान के फैकल्टी सदस्य और रूरल मैनेजमेंट कार्यक्रम के दोनों वर्षों के छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल कोआर्डिनेशन, एक्सआईएसएस की डॉ राज श्री वर्मा ने किया तो वहीं का समापन आईएडब्ल्यूएस से नीति तिकी द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता के लिए सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

PRESS : AAJ

जेवियर समाज सेवा संस्थान में महिला दिवस मना



रांची | जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) व इंडियन एसोसिएशन फॉर वुमेन स्टडीज के सहयोग से महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मासिक धर्म स्वास्थ्य और महिला सशक्तीकरण पर एक व्यावहारिक विचार के साथ हुई। कार्यक्रम में महिला सशक्तीकरण की भावना को प्रेरित करती ऑस्कर पुरस्कार विजेता डाक्यूमेंट्री 'पीरियड, एंड ऑफ सेंटेंस' की स्क्रीनिंग हुई, जो ग्रामीण भारत में मासिक धर्म के जुड़े सोच और इससे सम्बंधित स्वच्छता जागरूकता के परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालती है। एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने लैंगिक समानता और सामाजिक समावेशन के महत्व पर जोर

देते हुए कहा कि महिलाओं की उपलब्धियों और गुणों को पहचानना और उनका जश्न मनाना महत्वपूर्ण है, लेकिन हमें महिलाओं के सहनशीलता की भी गहरी समझ होनी चाहिए। डाक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग के बाद, आईएडब्ल्यूएस की डॉ ममता कुमारी द्वारा आयोजित एक सत्र में रूरल मैनेजमेंट के छात्र शामिल हुए जिसमें उन्होंने डाक्यूमेंट्री में उठाए गए मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए। इसी बीच सभी छात्रों के लिए 'मासिक धर्म की वर्जनाओं को तोड़ना' विषय पर एक स्लोगन लिखो प्रतियोगिता आयोजित की गई।

एक्सआईएसएस के डीन एकेडमिक्स, डॉ अमर तिग्गा, रूरल मैनेजमेंट कार्यक्रम के प्रमुख डॉ अनंत कुमार, संस्थान के फैकल्टी सदस्य और रूरल मैनेजमेंट कार्यक्रम के दोनों वर्षों के छात्र उपस्थित थे।

PRESS : DAINIK BHASKAR

एक्सआईएसएस में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस आयोजित

● महिला सशक्तीकरण की भावना को प्रेरित करती ऑस्कर पुरस्कार विजेता डाक्यूमेंट्री पीरियड. एंड ऑफ सेंटेंस की स्क्रीनिंग हुई



पंच संवाददाता रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) रांची और इंडियन एसोसिएशन फॉर वुमेन स्टडीज (आईएडब्लूएस) के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन फादर माइकल वान डेन बोगार्ट एसजे मेमोरियल ऑडिटोरियम में शुक्रवार को

किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मासिक धर्म स्वास्थ्य और महिला सशक्तीकरण पर एक व्यावहारिक विचार के साथ हुई। कार्यक्रम में महिला सशक्तीकरण की भावना को प्रेरित करती ऑस्कर पुरस्कार विजेता डाक्यूमेंट्री पीरियड. एंड ऑफ सेंटेंस की स्क्रीनिंग हुई, जो ग्रामीण भारत में मासिक धर्म के

जुड़े सोच और इससे सम्बंधित स्वच्छता जागरूकता के परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालती है। कार्यक्रम की शुरुआत में एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने लैंगिक समानता और सामाजिक समावेशन के महत्व पर जोर देते हुए एक संबोधन दिया।

PRESS : PUNCH

एक्सआईएसएसमें अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस आयोजित



फ्रीडम फाइटर संवाददाता
रांची : जेवियरसमाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) रांची औरइंडियन एसोसिएशन फॉरवुमेनस्टडीज (आईएडब्लूएस) के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवसके अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन फादरमाइकल वान डेनबोगार्टएसजेमेमोरियलऑडिटोरियम में शुक्रवार को किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मासिक धर्म स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण पर एक व्यावहारिक विचार के साथ हुई। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण की भावना को प्रेरित करती ऑस्करपुरस्कार विजेता डाक्यूमेंट्रीरपीरियड. एंड ऑफ

सेटेंसर् की स्क्रीनिंग हुई, जो ग्रामीण भारत में मासिक धर्म के जुड़े सोच और इससे सम्बंधितस्वच्छता जागरूकता के परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालती है। कार्यक्रम की शुरुआत में एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुसकुजूरएसजे ने लैंगिक समानता और सामाजिक समावेशन के महत्व पर जोर देते हुए एक संबोधन दिया। उन्होंने कहा, महिलाओं की उपलब्धियों और गुणों को पहचानना और उनका जश्न मनाना महत्वपूर्ण है, लेकिन हमें महिलाओं के सहनशीलता की भी गहरी समझ होनी चाहिए और हम सभी को अपने कार्यों के माध्यम से लैंगिक समानता का समर्थन करना चाहिए। उन्होंने समाज में अंतर्निहित रूढ़िवादिता की चुनौती को भी संबोधित किया और महिलाओं को प्रगति करने में सक्षम बनाने वाली मानसिकता को अपनाने का आह्वान किया।

PRESS : FREEDOM FIGHTER



Truth in true form

REPORTER POST

Sat, March 09, 2024

[Home](#) / [Jharkhand](#)

/ Advancing gender equity and social justice programme
organised on International Women's Day

Advancing gender equity and social justice programme organised on International Women's Day



Admin istrator, Last updated: 08 March 2024



Ranchi: The programme on menstrual health and women's empowerment organised on the occasion of International Women's Day at XISS in Ranchi on Friday.

Amidst the spirit of empowerment and advocacy, the thoughtful discussion was followed by a poignant screening of an Oscar winning documentary "Period - End of Sentence", which sheds light on the Stigma surrounding menstruation in rural India and the transformative impact of menstrual hygiene awareness.

XISS Director Dr Joseph Marianus Kujur emphasized on the importance of gender equality and social inclusion.

He said, "Recognizing and celebrating women's achievements and qualities is crucial, but we need to have a deeper understanding of women's resilience and support gender equality through our actions."

He also addressed the challenge of ingrained societal attitudes and stereotypes and urged a call to change mind-sets enabling women to progress.

He suggested to make this effort a campaign which is sustained and is a concerted effort to bring about meaningful change.

He concluded by saying that lifting women up, the entire community stands to benefit.

Women's empowerment can lead to positive changes in education, healthcare, economic stability, and overall societal well-being.

Following the screening, students of Rural Management engaged in a lively session of opinion sharing, facilitated by Dr Mamta Kumari.

This interactive dialogue allowed participants to reflect on the issues raised in the film and explore avenues for collection and advocacy.

A slogan making competition on the theme, 'Breaking menstrual taboo' was conducted on this occasion.

PRESS : REPORTER POST



Neither tomorrow nor today, it's now

LENS EYE

News Portal



CAMPUS LIFE

LATEST NEWS

TOP NEWS

International Women's Day 2024 Celebrated At XISS

March 8, 2024 admin Comment(0)

Xavier Institute of Social Service (XISS) Ranchi, Jharkhand, in collaboration with the Indian Association for Women's Studies (IAWS), commemorated International Women's Day 2024 with a thought-provoking film screening event in the Michael Van den Bogaert SJ Memorial Auditorium on Friday.

The programme commenced with a brief on the significance on the day by setting the stage for an insightful discourse on menstrual health and women's empowerment. Amidst the spirit of empowerment and advocacy, the thoughtful discussion was followed by a poignant screening of an Oscar winning documentary "Period. End of Sentence", which sheds light on the stigma surrounding menstruation in rural India and the transformative impact of menstrual hygiene awareness.

Earlier, in the beginning of the event Dr Joseph Marianus Kujur SJ, Director, XISS, delivered a compelling address, emphasizing the importance of gender equality and social inclusion. He said, "Recognizing and celebrating women's achievements and qualities is crucial, but we need to have a deeper understanding of women's resilience and support gender equality through our actions."

He also addressed the challenge of ingrained societal attitudes and stereotypes and urged a call to change mindsets enabling women to progress. He suggested to make this effort a campaign which is sustained and is a concerted effort to bring about meaningful change. He concluded by saying that lifting women up, the entire community stands to benefit. Women's empowerment can lead to positive changes in education, healthcare, economic stability, and overall societal well-being. Following the screening, students of Rural Management engaged in a lively session of opinion sharing, facilitated by Dr Mamta Kumari, IAWS. This interactive dialogue allowed participants to reflect on the issues raised in the film and explore avenues for collection and advocacy. A slogan making competition on the theme, 'Breaking menstrual taboo' was conducted on this occasion.

Dean Academics, Dr Amar Tigga, Head of Rural Management Programme, Dr Anant Kumar, along with faculty members and students of both years of the programme were in attendance. The event was coordinated by Dr Raj Shree Verma, XISS and it concluded with a vote of thanks delivered by Neety Tirkey from IAWS, expressing gratitude to all participants and collaborators for their commitment to advancing gender equity and social justice.

PRESS : LENS EYE NEW PORTAL



SOCIAL NEWS SEARCH



एक्सआईएसएस में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस आयोजित

राँची



March 8, 2024



Social News Search



Leave A Comment

रांची : जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) रांची और इंडियन एसोसिएशन फॉर वुमेन स्टडीज (आईएडब्लूएस) के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन फादर माइकल वान डेन बोगार्ट एसजे मेमोरियल ऑडिटोरियम में शुक्रवार को किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत मासिक धर्म स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण पर एक व्यावहारिक विचार के साथ हुई. कार्यक्रम में महिला सशक्तीकरण की भावना को प्रेरित करती ऑस्कर पुरस्कार विजेता डाक्यूमेंट्री “पीरियड. एंड ऑफ सेंटेंस” की स्क्रीनिंग हुई, जो ग्रामीण भारत में मासिक धर्म के जुड़े सोच और इससे सम्बंधित स्वच्छता जागरूकता के परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालती है.

हम सभी को अपने कार्यों के माध्यम से लैंगिक समानता का समर्थन करना चाहिए

कार्यक्रम की शुरुआत में एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने लैंगिक समानता और सामाजिक समावेशन के महत्व पर जोर देते हुए एक संबोधन दिया. उन्होंने कहा, “महिलाओं की उपलब्धियों और गुणों को पहचानना और उनका जश्न मनाना महत्वपूर्ण है, लेकिन हमें महिलाओं के सहनशीलता की भी गहरी समझ होनी चाहिए और हम सभी को अपने कार्यों के माध्यम से लैंगिक समानता का समर्थन करना चाहिए.”

महिला सशक्तिकरण से शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, आर्थिक स्थिरता और समग्र सामाजिक कल्याण

उन्होंने समाज में अंतर्निहित रूढ़िवादिता की चुनौती को भी संबोधित किया और महिलाओं को प्रगति करने में सक्षम बनाने वाली मानसिकता को अपनाने का आह्वान किया. उन्होंने इस प्रयास को एक ऐसा अभियान बनाने का सुझाव दिया जो निरंतर जारी रहे और सार्थक बदलाव लाने के लिए एक ठोस प्रयास हो. उन्होंने अपनी बातें समाप्त करते हुए कही कि महिलाओं को ऊपर उठाने से पूरे समुदाय को लाभ होता है. महिला सशक्तिकरण से शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, आर्थिक स्थिरता और समग्र सामाजिक कल्याण में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं.

डाक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग के बाद, आईएडब्ल्यूएस की डॉ ममता कुमारी द्वारा आयोजित

डाक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग के बाद, आईएडब्ल्यूएस की डॉ ममता कुमारी द्वारा आयोजित एक सत्र में रूरल मैनेजमेंट के छात्र शामिल हुए जिसमें उन्होंने डाक्यूमेंट्री में उठाए गए मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए. इसी बीच सभी छात्रों के लिए 'मासिक धर्म की वर्जनाओं को तोड़ना' विषय पर एक स्लोगन लिखो प्रतियोगिता आयोजित की गई.

इस कार्यक्रम में संस्थान के एक्सआईएसएस के डीन एकेडमिक्स, डॉ अमर तिग्गा, रूरल मैनेजमेंट कार्यक्रम के प्रमुख, डॉ अनंत कुमार, संस्थान के फैकल्टी सदस्य और रूरल मैनेजमेंट कार्यक्रम के दोनों वर्षों के छात्र उपस्थित थे. कार्यक्रम का सफल कोआर्डिनेशन, एक्सआईएसएस की डॉ राज श्री वर्मा ने किया तो वहीं का समापन आईएडब्ल्यूएस से नीति तिकी द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता के लिए सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया.

PRESS : SOCIAL NEWS SEARCH